बिहार में ट्रैक्टर बनाने की योजना

2254. **श्री चिरंजीव झा** : क्या औद्योगिक विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार सरकार ने पूर्णिया, पटना तथा रांची में 15,70,00,000/– रु० की लागत वाली 20।25 अश्व शक्ति के 15,000 ट्रैक्टर प्रतिवर्ष बनाने की योजना प्रस्तुत की है;

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार ने इस योजना के बारे में अपनी स्वीकृति दे दी है ? और इसको क्रियान्वित करने के लिए बिहार सरकार को सहायता देने का है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

औद्योगिक विकास मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) बिहार राज्य कृषि-औद्योगिक विकास निगम ने ऐसी योजना प्रस्तुत की थी । परियोजना की अनुमानित पूंजीगत लागत 9 करोड़ रु० थी ।

(ख) और (ग). योजना विचाराधीन है । इसे स्वीकृति मिल जाने के बाद योजना को कार्यान्वित करने के लिए निगम को सभी सम्भव सहायता दी जायेगी ।

संविधान को आठवीं अनुसूची में लद्दाखी भाषा का सम्मिलित किया जाना

2255. **श्री अशोक बाकुला** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संविधान की आठवीं अनुसूची में लद्दाखी भाषा को सम्मिलित करने का सरकार का विचार है;

(ख) यदि हां, तो इस भाषा को उसमें कब तक सम्मिलित किया जायेगा; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

गृह मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री एफ० एच० मोहसिन) : (क) ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

(ख) प्रश्न नही उठता ।

(ग) सरकार का यह विचारपूर्ण मत है कि व्यापक राष्ट्रीय हित में आठवीं अनुसूची को और अधिक नहीं बढ़ाया जाय ।

Production of Power Manufacturing Units in HEL and BHEL

2256. SHRI N. K. P. SALVE: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state whether the progress in production of power manufacturing units in Heavy Electricals Limited and Bharat Heavy Electricals Limited is slow and if so, what steps Government are proposing to take to expedite production thereof in the aforesaid units or elsewhere?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (SHRI SIDDHESHWAR PRASAD): The power generating equipments are being manufactured in the Public Sector only, at the plants of Heavy Electricals (India) Limited and Bharat Heavy Electricals Limited. These are sophisticated items and require longer time to design, manufacture and to master the high degree of skills needed by the operators. Excepting for certain delays in the case of a small number of sets by and large the quantum of production of these items has been meeting the current requirements, consistent with the readiness